RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 253
दि. 13.01.2026, मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'भारत ने कभी किसी को गुलाम नहीं बनाया, न ही अपनी बात थोपी', सीएम योगी ने स्वामी विवेकानंद को किया याद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर कहा कि भारत ने कभी किसी को गुलाम नहीं बनाया और न ही अपनी बात थोपी। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत की ओर उम्मीद से देख रही है, जो भारत के सामर्थ्य और युवाओं पर विश्वास का प्रतीक है।

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर आयोजित एक कार्यक्रम में हिन्दू धर्म की महानता और मानवता के कल्याण के मार्ग पर चलने की बात कही। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी किसी को गुलाम नहीं बनाया और न ही अपनी बात किसी पर थोपी, भले ही उसके पास बल और बुद्धि थी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि दुनिया आज भारत की ओर उम्मीद से देख रही है, जो भारत के सामर्थ्य और युवाओं पर विश्वास का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के अवसर पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्वामी विवेकानंद को याद करते हुए कहा कि उन्होंने भारत की सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना को वैश्विक मंच पर अपनी बौद्धिक प्रतिभा से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विवेकानंद ने कहा था कि सनातन धर्म ने सदैव मानवता के कल्याण का मार्ग दिखाया है। उन्होंने गर्व से कहा था कि "मैं हिन्दू हूं।" वह उस भारत का प्रतिनिधित्व करते थे जो उस समय सुप्त चेतना के कारण आत्मबोध खो चुका था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुट्ठी भर विदेशी आक्रांता भारत को गुलाम बनाने में सफल हो गए थे और भारत चंद लोगों द्वारा लूटा जा रहा था। उस कालखंड में स्वामी विवेकानंद ने भारत को जागरूक करने में अहम भूमिका निभाई। शिकागो की धर्मसभा में स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि वे भारत की उस परंपरा से आए हैं जिसने सदैव मानव कल्याण का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा था कि उन्होंने किसी पर जबरन अपनी बात नहीं थोपी। भारत ने विपत्ति के समय दुनिया की शक्तियों को शरण दी है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था, "मैं गर्व से कहता हूं मैं हिंदू हूं।"

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत ने किसी को गुलाम नहीं बनाया और मानवता के कल्याण का महान मार्ग अपनाया है। उन्होंने कहा कि हमने अपनी बात किसी पर नहीं थोपा है। हमारे पास बल था बुद्धि थी पर हमने उसका दुरुपयोग नहीं किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दुनिया में जो उथल पुथल मची हुई है और हर देश की आवाज आ रही है कि "मोदी जी कुछ करिये.."। यह भारत के सामर्थ्य के प्रति दुनिया का विश्वास है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 12 जनवरी, 2026 को लखनऊ में 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए।

उस विश्वास का प्रतीक भारत का युवा है। जब अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति का विश्वास शासन के प्रति मजबूत होता है, तो योजनाएं तेजी के साथ आगे बढ़ती हुई दिखाई देती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हर पंचायत में एक मैदान हो। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि "खेलोगे तो खिलोगे।" इससे हमारे युवा नशे से दूर होते हैं। उन्होंने कहा कि नशे से युवा को दूर रखना है और नशे के कारोबारियों को क्रश करना है। इसमें आप भागीदारी करिए। नशा युवाओं को बर्बाद कर देता है। इस कार्यक्रम में देवकीनंदन ठाकुर ने एएमयू में मंदिर बनाने की मांग की और कहा कि "तिलक नहीं तो टोपी भी नहीं लगा सकते।"

उपराष्ट्रपति ने की युवाओं से बौद्धिक अखंडता और राष्ट्र निर्माण की भावना बनाए रखने की अपील

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के 9वें दीक्षांत

समारोह को संबोधित किया, स्नातक छात्रों को बधाई दी और उनसे अपने ज्ञान और कौशल को राष्ट्र की सेवा में समर्पित करने का आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उनके उपदेशों का स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका उद्देश्य चरित्र निर्माण करना, बुद्धि को सुदृढ़ करना और व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाना होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि उचित शिक्षा और प्रशिक्षण ही भारत के युवाओं को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में सक्षम बनाएगा।

उपराष्ट्रपति ने भारत की ज्ञान की सभ्यतागत परंपरा को रेखांकित करते हुए नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्रों का उल्लेख किया और कहा कि उपनिषदों और भगवद् गीता से लेकर कौटिल्य के अर्थशास्त्र और तिरुवल्लुवर के तिरुक्कुरल तक, भारतीय धर्मग्रंथों और प्राचीन पुस्तकों ने निरंतर शिक्षा को सामाजिक और नैतिक जीवन के केंद्र में रखा। उन्होंने रेखांकित किया कि सच्ची शिक्षा आचरण और चरित्र का निर्माण करती है और यह केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं है।

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि आधुनिक विज्ञान और पारंपरिक मूल्यों का साथ-साथ विकास होना चाहिए। जेएनयू के लोकतांत्रिक मूल्यों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि बहस, चर्चा, असहमति और यहां तक कि टकराव भी एक स्वस्थ लोकतंत्र के आवश्यक तत्व हैं।

यद्यपि, उन्होंने यह भी कहा कि इन प्रक्रियाओं का अंततः एक निष्कर्ष पर पहुंचना अनिवार्य है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एक बार निर्णय ले लेने के बाद, सुचारू और प्रभावी प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए इसके कार्यान्वयन में सहयोग करने की सामूहिक इच्छाशक्ति होनी चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने जेएनयू के समावेशी वातावरण और छात्र प्रवेश तथा संकाय भर्ती दोनों में समानता और सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

उपराष्ट्रपति ने उभरते और सभ्यतागत क्षेत्रों में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विस्तार के लिए विश्वविद्यालय के नेतृत्व की सराहना की, जिसमें संस्कृत और भारतीय अध्ययन संकाय में हिंदू, जैन और बौद्ध अध्ययन के नए केंद्रों की स्थापना भी शामिल है। उन्होंने तमिल अध्ययन के विशेष केंद्र और असमिया, ओडिया, मराठी और कन्नड़ में पाठ्यक्रमों और प्रोग्राम जैसी पहलों के माध्यम से भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए जेएनयू के निरंतर प्रयासों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप मातृभाषाओं में ज्ञान सृजन को बढ़ावा मिलना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने अपने भाषण का समापन करते हुए स्नातकों से तीन प्रमुख उत्तरदायित्वों - सत्य की खोज में बौद्धिक ईमानदारी, असमानताओं को कम करने के लिए सामाजिक समावेश और राष्ट्रीय विकास में सक्रिय योगदान - का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों से संवैधानिक मूल्यों और भारत की सभ्यतागत नैतिकता का पालन करने और हमेशा अपने माता-पिता और शिक्षकों का सम्मान करने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति ने छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की शुभकामनाएं देते हुए भारत की एकता और एक साथ प्रगति करने के सामूहिक संकल्प को दोहराया।

इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कंवल सिबल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर शांतिश्री धुलिपुडी पंडित, वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य, स्नातक छात्र और उनके परिवार उपस्थित थे।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति आवास पर भारत के महानतम आध्यात्मिक दिग्गज स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में स्वामी विवेकानंद की अमर विरासत का स्मरण करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि स्वामीजी के जीवन और शिक्षाओं में आंतरिक शक्ति, आत्म-अनुशासन और निस्वार्थ सेवा को सार्थक जीवन का स्तंभ बताया गया है।

मोदी जर्मन चांसलर से मिले, साथ मिलकर पतंग उड़ाई:पीएम ने कहा- भारत-जर्मनी करीबी सहयोगी , भारत में 2000 से ज्यादा जर्मन कंपनियां

गांधीनग र, (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच सोमवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर कनवेंशन सेंटर में द्विपक्षीय वार्ता हुई।

वार्ता के बाद पीएम ने कहा- भारत-जर्मनी करीबी सहयोगी हैं। इसीलिए आज भारत में 2000 से ज्यादा जर्मन कंपनियां हैं। यह जर्मनी के भारत के प्रति अटूट विश्वास को दशार्ता है।

भारत और जर्मन नई परियोजनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। भारत और जर्मनी हरेक फील्ड में मिलकर काम कर रहे हैं। आज हुए एमओयू से और मजबूती बढ़ेगी। भारत और जर्मनी हरेक फील्ड में मिलकर काम कर रहे हैं। आज हुए एमओयू से और मजबूती बढ़ेगी।

चांसलर मर्ज की ये यात्रा एक विशेष समय पर हो रही है। पिछले वर्ष हमने अपनी रणनीतिक साझेदारी के

25 वर्ष पूरे किए और इस वर्ष हम अपने राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष भी मना रहे हैं।

भारत-जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं के बीच करीबी सहयोग पूरी मानवता के लिए महत्वपूर्ण है। रक्षा व्यापार से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए मैं चांसलर मर्ज का आभार व्यक्त करता हूं। रक्षा और सुरक्षा में बढ़ता सहयोग हमारे आपसी भरोसे और साझी सोच का प्रतीक है। बढ़ते व्यापार और निवेश संबंधों ने हमारी स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को नई ऊर्जा दी है। भारत सभी समस्याओं और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का पक्षधर रहा है। भारत और जर्मनी सहमत हैं कि ग्लोबल चुनौतियों से निपटने के लिए ग्लोबल इंस्टीट्यूशन में सुधार बहुत जरूरी है।

आज हायर एजुकेशन पर बना रोडमैप शिक्षा के क्षेत्र में हमारी साझेदारी को नई दिशा देगा। मैं जर्मन विश्वविद्यालयों को भारत में अपने कैंपस खोलने का आमंत्रण देता हूं।

एकसाथ कार में बैठे मोदी-मर्ज

मोदी और फ्रेडरिक मर्ज सभी कार्यक्रमों के बाद एक ही कार में साथ सफर किया। इसकी फोटो पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा की।

उन्होंने लिखा- भारत और जर्मनी की दोस्ती साझा मूल्यों, व्यापक सहयोग और आपसी समझ के जरिए लगातार मजबूत हो रही है। यह तस्वीर दोनों नेताओं के बीच व्यक्तिगत तालमेल का प्रतीक मानी जा रही है।

दोनों नेता सुबह साबरमती आश्रम पहुंचे,

दोनों नेताओं ने सोमवार सुबह सबसे पहले अहमदाबाद में साबरमती आश्रम पहुंचकर महात्मा गांधी को नमन किया था। आश्रम के बाद मोदी-मर्ज साबरमती रिवरफ्रंट पहुंचे थे। यहां पर इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल में शामिल होकर साथ में पतंग उड़ाई थी। वहीं, पीएम मोदी के तीन दिन के गुजरात दौरे का आज आखिरी दिन है।

पीएम मोदी का तीन दिवसीय गुजरात दौरा संपन्न

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को अहमदाबाद एयरपोर्ट से भावपूर्ण विदाई दी गई

गांधीनगर, 12 जनवरी : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को अपने गुजरात के तीन दिवसीय दौरे को पूर्ण कर अहमदाबाद एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए।

एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री को राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी एवंएवं महानुभावों ने भावपूर्ण विदाई दी।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री को मुख्य सचिव श्री एम.के. दास, राजनीतिक अग्रणी श्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन, एयर मार्शल तेजेंद्र सिंह, अपर मुख्य सचिव डॉ. अंजू शर्मा, राज्य के प्रभारी पुलिस महानिदेशक श्री के. एल. एन. राव, अहमदाबाद पुलिस आयुक्त श्री जी. एस. मलिक, मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी श्री ज्वलंत त्रिवेदी, अहमदाबाद जिला कलेक्टर श्री सुजीत कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं पदाधिकारी ने भावपूर्ण विदाई दी।

वीजीआर-एग्जीबिशन में रिवर्स बायर्स-सेलर्स मीट में 500 करोड़ रुपए के निर्यात को लेकर हुई बिजनेस इंक्वायरी

अमेरिका और कनाडा सहित 23 देशों के 53 खरीदारों और 1800 से अधिक स्थानीय विक्रेताओं ने लिया हिस्सा

राजकोट, 12 जनवरी : गुजरात रीजनल एग्जीबिशन में हॉल नंबर 1 में 'रिवर्स बायर्स सेलर्स मीट' आकर्षण का केंद्र बन गई है। यहां भारत से विभिन्न मैन्युफैक्चरर्स से वस्तुएं खरीदने के लिए 23 देशों से 53 अंतरराष्ट्रीय खरीदार आए हैं। अपने उत्पाद बेचने के लिए पूरे राज्य से 1800 से अधिक मैन्युफैक्चरर्स यहां पहुंचे हैं।

जर्मनी के स्टेट सेक्रेटरी श्री स्टिफन राउएनहोफ के नेतृत्व में जर्मन बिजनेस डेलीगेशन की मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के साथ गांधीनगर में उच्च स्तरीय बैठक

गांधीनगर, (जीएनएस)। 12 जनवरी :जर्मनी के स्टेट सेक्रेटरी श्री स्टिफन राउएनहोफ के नेतृत्व में जर्मन बिजनेस डेलीगेशन ने सोमवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के साथ उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की। यह डेलीगेशन भारत-जर्मन सीईओ फोरम में सहभागी होने के लिए भारत-गुजरात की यात्रा पर आया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा जर्मन चांसलर श्री फ्रेडरिक मर्ज की उपस्थिति में आयोजित सीईओ फोरम की सफलता के लिए इस डेलीगेशन को अभिनंदन देने के साथ गुजरात में उनका स्वागत किया।

डेलीगेशन के सदस्यों ने गुजरात के देश के जीडीपी ग्रोथ में 8 प्रतिशत से अधिक का महत्वपूर्ण योगदान दिए जाने पर प्रभावित होते हुए कहा कि वे विशेषकर एसएमई सेक्टर में बिजनेस एंड इकोनॉमी संबंध बढ़ाने को उत्सुक हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन में अब देश के राज्यों के ग्रोथ रेट बढ़ाने की ओर आगे बढ़ने की भूमिका दी और

इस संदर्भ में कहा कि जर्मनी के उद्योगों ने गुजरात पर जो भरोसा रखा है, उसे अधिक सुदृढ़ बनाकर आपसी सहयोग से हम अधिक प्रगति कर सकेंगे।

उन्होंने इस बैठक में चचाओं के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री जर्मनी के साथ विश्वसनीय मित्र के रूप में आगे बढ़ना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में गुजरात एवं जर्मनी के औद्योगिक संबंधों को अधिक गहराईपूर्वक तथा दीर्घावधि के लिए विकसित कर गुजरात में जर्मन कंपनियों के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को अधिक वेग मिले; ऐसी हमारी मंशा है। मुख्यमंत्री ने बैठक में जर्मन उद्योगों के निवेशों को अधिक सुविधापूर्ण बनाने के लिए हेल्प डेस्क शुरू करने के दिशानिर्देश भी दिए।

जर्मन स्टेट सेक्रेटरी श्री स्टिफन राउएनहोफ ने चर्चा के दौरान कहा कि जर्मनी अपनी सप्लाई चेन डाइवसीफाई करना चाहता है, जिसमें गुजरात को उसकी पसंद बनाने के लिए लॉजिस्टिक्स, प्रोडक्शन स्ट्रक्चर एवं इकोनॉमिक फ्रेमवर्क में विद्यमान चुनौतियों का हल होना अपेक्षित है।

उन्होंने जोड़ा कि गुजरात एनर्जी सेक्टर में अग्रसर है। इसमें रिन्यूएबल एनर्जी ग्रिड तथा स्टोरेज की जर्मन टेक्नोलॉजी की एक्सपर्टीज का सहयोग मिल सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकसित भारत@2047 का जो विजन दिया है, उसमें गुजरात लीड लेने को सज्ज है। 2030 तक 100 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन के लक्ष्य के साथ-साथ विकसित गुजरात@2047 का रोडमैप तैयार कर 6 रीजनल ग्रोथ हब तथा वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस से जिला स्तर पर फोकस सेक्टर भी तैयार किए गए हैं।

इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री ने गुजरात को पॉलिसी ड्रिवन स्टेट के रूप में विशिष्ट पहचान दिलाई है। हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी, आईटी पॉलिसी, ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी आदि सेक्टर स्पेशिफिक पॉलिसीज का लाभ लेकर जर्मनी के उद्योग स्वयं के अनुकूल सेक्टर्स में गुजरात के साथ सहभागिता कर सकते हैं। श्री पटेल ने अपेक्षा व्यक्त की कि प्रिसिजन इंजीनियरिंग तथा टेक्नोलॉजी सेक्टर में जर्मनी की विशेषज्ञता का लाभ गुजरात को मिले।

इस डेलीगेशन के सदस्य तथा सीमेंस के सीईओ रोनाल्ड बुश ने भी गुजरात में एसएमई तथा अन्य उद्योग सप्लाई चेन का हिस्सा बनें या सप्लाई चेन डेवलप करने में उपयोग हो सकें; तत्संबंधी सुझाव दिए।

नशा कारोबारियों की जब्त होगी संपत्ति और जाएंगे जेलः मुख्यमंत्री योगी

नशा कारोबारियों की जब्त होगी संपत्ति और जाएंगे जेलः मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए और लोगों को भी जागरूक करना चाहिए। उन्होंने नशे का कारोबार करने वालों को आगाह करते हुए अगर बाज नहीं आए तो न केवल उन्हें जेल भेजा जाएगा बल्कि उनकी संपत्ति भी जब्त होगी, क्योंकि ऐसे लोग देश और समाज को खोखला कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर प्रदेश के युवा एवं खेलकूद विभाग की ओर से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में आयोजित युवा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर विभिन्न जिलों के युवा व महिला मंगल दलों को नशा उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, जनता लाइब्रेरी, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र व राशि प्रदान की।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग व्यापारियों के विरुद्ध अनुचित कार्रवाई कर बना रहें भय का माहौल ये खबर भी पढ़े : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग व्यापारियों के विरुद्ध अनुचित कार्रवाई कर बना रहें भय का माहौल

इससे पहले युवा एवं खेलकूद मंत्री गिरीश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया और विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, विधायक डॉ नीरज बोरा, ओपी श्रीवास्तव व लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह में मुख्यमंत्री ने 40 करोड़ रुपये अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण व शुभारंभ किया गया।

भगत सिंह सेना का प्रदेश स्तरीय कार्यालय उद्घाटित, भ्रष्टाचार के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की तैयारी

(जीएनएस)।

पीलीभीत। निकट महिला थाना के पास,भगत सिंह सेना का प्रदेश स्तरीय कार्यालय का उद्घाटन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर जिला व प्रदेश स्तर के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उद्घाटन के साथ ही सभी ने अमर शहीद भगत सिंह जी के विचारों का अनुसरण करते हुए एक साथ शपथ ली।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरी बाबू पासवान ने बताया कि भगत सिंह सेना सभी भेदभाव मिटाकर जाति-धर्म से परे मानव सेवा व कल्याण का कार्य करेगी। शहीद भगत सिंह के आदर्शों पर चलते हुए संगठन भारत को भ्रष्टाचार, जातिवाद व भेदभाव जैसी कुरीतियों से मुक्त कराने का संकल्प ले चुका है। उन्होंने कहा कि देश में भ्रष्टाचार कैंसर की तरह पनप रहा है, जो भारत को खोखला कर रहा है। अमर शहीद भगत सिंह का सपना आज बहुत आगे निकल चुका है, लेकिन लोग उनकी कुबार्नी भूलते जा रहे हैं। भगत सिंह सेना इस मिशन को कभी समाप्त नहीं होने देगी।

पासवान ने जानकारी दी कि संगठन अब 14 राज्यों में सक्रिय हो चुका है और भ्रष्टाचार के खिलाफ बहुत जल्द देशव्यापी आंदोलन छेड़ने की तैयारी में है। कार्यालय का उद्घाटन भगत सिंह जी की प्रतिमा के समक्ष एम एल विद्यार्थी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष व पदाधिकारीगण सहित वेद प्रकाश गंगवार, मिथिलेश शर्मा, आदर्श कुमार, सरस्वती मोर्य, चंद्रसेन सरोज, जुबेर खान, शिवकुमार प्रजापति, आसिफ, अलका देवी, रामेश्वर दयाल गौतम, विवेक शर्मा, हरजिंदर सिंह, गुरदीप सिंह, अनिल कुमार वर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नोजल नकटा में नदी तटबंध निर्माण की मांग पर ग्रामीणों का धरना समाप्त,प्रशासन ने दिया उच्च स्तर पर हस्तक्षेप का आश्वासन

(जीएनएस)।

पीलीभीत। पूरनपुर, नोजल नकटा क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों द्वारा नदी तटबंध निर्माण की लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर आयोजित धरने को जिला प्रशासन ने उच्च स्तर पर पत्र प्रेषित करने और शीघ्र समाधान का आश्वासन देकर समाप्त करा दिया। ग्रामीणों ने वर्षों से नदी के उफान से तबाह हो रही फसलों और आवासों की समस्या बयां करते हुए प्रशासन से तत्काल राहत की गुहार लगाई थी, जिस पर अब कार्रवाई का भरोसा जगा है।

नोजल नकटा गांव के सैकड़ों ग्रामीण पिछले कई दिनों से जिला मुख्यालय पर धरना दे रहे थे। उनका मुख्य मुद्दा गंगा या स्थानीय नदी के किनारे कमजोर तटबंध को मजबूत करने का था, जो हर मानसून में टूट जाता है। इससे न केवल खेतीबाड़ी प्रभावित होती है, बल्कि जान-माल को भी खतरा पैदा हो जाता है। धरना स्थल पर ग्रामीणों ने बैनर-पोस्टर लगाकर अपनी पीड़ा व्यक्त की और प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता की मांग की। पूरनपुर स्थानीय विधायक व जिला पंचायत सदस्य भी मौके पर पहुंचे, जिन्होंने ग्रामीणों की बात सुनी।

जिला मजिस्ट्रेट की अगुवाई में बनी टीम ने धरना स्थल का दौरा किया और ग्रामीण प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि नोजल नकटा में तटबंध निर्माण के लिए मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित किया जाएगा तथा संबंधित विभागों को निर्देश देकर शीघ्र सर्वे कराया जाएगा। इसके अलावा, आपातकालीन राहत के रूप में प्रभावित क्षेत्रों में अस्थायी बैरेज बनाने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है। इस आश्वासन पर ग्रामीणों ने धरना समाप्त करने का फैसला किया।

ग्रामीण नेता रामस्वरूप ने बताया, "हमारी मांग अब गंभीरता से सुनी गई है। उच्च स्तर पर पत्र भेजे जाने से हमें विश्वास है कि तटबंध निर्माण कार्य जल्द शुरू हो जाएगा।" वहीं, एसडीएम ने कहा कि प्रशासन ग्रामीणों की हर समस्या का समाधान करने के लिए कटिबद्ध है और बाढ़ प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाएगी। इस घटना से पीलीभीत जिले के अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भी सकारात्मक संदेश गया है।

पीलीभीत में डीआईजी/एसपी निर्देश पर iRAD/eDAR व ZFD योजनाओं पर पुलिस CC टीमों को विस्तृत प्रशिक्षण

पीलीभीत में DIG/SP निर्देश पर iRAD/eDAR व ZFD योजनाओं पर पुलिस CC टीमों को विस्तृत प्रशिक्षण

(जीएनएस)।

पीलीभीत,DIG/SP निर्देशों पर पुलिस लाइन पीलीभीत में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में ंफ्अऊ (इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस) एवं ेंऊअफ (इलेक्ट्रॉनिक डिस्ट्रिक्ट एक्सीडेंट रिपोर्ट) योजनाओं के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस उपचार प्रदान करने तथा ZFD (जीरो फैटेलिटी डिस्ट्रिक्ट) योजना के अंतर्गत चिन्हित थानों की CC (क्रैश कॉल) टीमों को सड़क हादसों की रोकथाम व त्वरित कार्यवाही हेतु विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य व प्रक्रिया

पुलिस लाइन के सभागार में आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले के 12 चिन्हित थानों- नई बस्ती, कोतवाली, घुघरी, पुरनपुर, भदईया, मधौली, सिसौना, खुज्जा, अमरिया, धौरर्रा, बिलसंडा एवं सदर की उउ टीमों के 60 से अधिक पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। विशेषज्ञ ट्रेनरों ने iRAD/eDAR ऐप के उपयोग पर हाथोंहाथ ट्रेनिंग दी, जिसमें दुर्घटना स्थल पर फोटो-वीडियो अपलोड, पीड़ितों का डेटा दर्ज करना एवं 108 एम्बुलेंस को अलर्ट करने की पूरी प्रक्रिया शामिल रही। कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम के तहत घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर प्राथमिकता देते हुए बिना देरी इलाज सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

ZFD योजना पर फोकस करते हुए CC टीमों को सड़क सुरक्षा के नए आयाम सिखाए गए। इसमें ब्लैक स्पॉट्स (जैसे पीलीभीत-पुरनपुर मार्ग पर खतरनाक मोड़) की मैपिंग, स्पीड गन से वाहन जांच, हेलमेट/सीटबेल्ट अनुपालन अभियान एवं ड्रिंकिंग एंड ड्राइविंग रोकथाम शामिल रही। ट्रेनरों ने बताया कि ZFD लक्ष्य के तहत जिले में शून्य मृत्यु दर हासिल करने हेतु उउ टीमें 24 घंटे हेल्पलाइन (112) पर सतर्क रहेंगी एवं 10-15 मिनट में घटनास्थल पहुंचकर प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करेंगी।

DIG/SP का संदेश व उपलब्धियां

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि DIG/SP पीलीभीत ने प्रशिक्षण का शुभारंभ करते हुए कहा, "पीलीभीत में सड़क दुर्घटनाएं चिंता का विषय हैं। iRAD/eDAR से डेटा संग्रहण व कैशलेस ट्रीटमेंट से हम लाखों रुपये की बचत के साथ जानें बचा सकेंगे। ेऋऊ के तहत उउ टीमें जिले को दुर्घटना मुक्त बनाने का माध्यम बनेंगी। सभी थानेदार इन टीमों की रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें।" उन्होंने पिछले वर्ष ZFD अभियान से 25 प्रतिशत दुर्घटनाओं में कमी का उल्लेख किया।

प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि अगले माह प्रत्येक थाने में फॉलो-अप ट्रेनिंग होगी। यह पहल #मिशनशक्ति व सड़क सुरक्षा सप्ताह से जुड़कर जन जागरूकता बढ़ाएगी।

जिला प्रशासन की यह कोशिश पीलीभीत को सुरक्षित बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

मकर संक्रांति 15 जनवरी 2026 विश्लेषण, 16 बड़ी बातें पर्व मनाने से पहले जरूर जानें

(जीएनएस)।

लखनऊ। सूर्य संक्रांति में मकर सक्रांति का महत्व ही अधिक माना गया है। इस बार मकर संक्रांति 14 जनवरी की रात्रि में 09:39 से अर्की है अतः संक्रांति पुण्यकाल 15 जनवरी गुरुवार को प्रातः काल से रहेगा इस बार मकर संक्रांति का वाहन-वराह, उपवाहन-वृषभ, वस्त्र-हरा, लेपन-चन्दन रहेगा माघ माह में मकर सक्रांति देश के लगभग सभी राज्यों में अलग-अलग सांस्कृतिक रूपों में मनाई जाती है। इस बार 15 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा। डॉ० अनिल दुबे वैदिक मकर संक्रांति पर्व पर प्रकाश डालते हुए बताते हैं पर्व से जुड़ी हुई 16 प्रमुख बातें वर्ष में होती है 12 संक्रांतियांः पृथ्वी साढ़े 23 डिग्री अक्ष पर झुकी हुई सूर्य की परिक्रमा करती है तब वर्ष में 4 स्थितियां ऐसी होती हैं, जब सूर्य की सीधी किरणें 21 मार्च और 23 सितंबर को विषुवत रेखा, 21 जून को कर्क रेखा और 22 दिसंबर को मकर रेखा पर पड़ती है। वास्तव में चन्द्रमा के पथ को 27 नक्षत्रों में बांटा गया है जबकि सूर्य के पथ को 12 राशियों में बांटा गया है। भारतीय ज्योतिष में इन 4 स्थितियों को 12 संक्रांतियों में बांटा गया है जिसमें से 4 संक्रांतियां महत्वपूर्ण होती हैं- मेष, तुला, कर्क और मकर संक्रांति। 1- मकर संक्रांति का अर्थ मकर संक्रांति में 'मकर' शब्द मकर राशि को इंगित करता है जबकि 'संक्रांति' का अर्थ संक्रमण अर्थात प्रवेश करना है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। एक राशि को छोड़कर दूसरे में प्रवेश करने की इस विस्थापन क्रिया को संक्रांति कहते हैं। चूंकि सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है इसलिए इस समय को 'मकर

राष्ट्रीय युवा दिवस पर बीसलपुर डायट में धूमधाम से मनाई स्वामी विवेकानंद जयंती

(जीएनएस)।

पीलीभीत।/बीसलपुर

दिनांक 12 जनवरी 2026 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) बीसलपुर, पीलीभीत में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद जी की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस पावन अवसर पर संस्थान परिसर में युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को जीवंत करने वाली ये प्रतियोगिताएं युवा पीढ़ी में ऊर्जा, शक्ति और राष्ट्रीय चेतना का संचार करने वाली साबित हुईं।प्रश्नोत्तरी और भाषण प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शनसंस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से दो प्रतियोगिताओं पर जोर दिया गया। पहली प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में

स्वामी विवेकानंद जी के जीवन, दर्शन और राष्ट्रीय युवा दिवस से जुड़े प्रश्नों पर आधारित रहा, जिसमें प्रशिक्षुओं ने अपनी बुद्धिमत्ता का लोहा मनवाया। इस प्रतियोगिता में सिमरन, सरल, गायत्री, शिवम, नैंसी, हिना और नूतन ने प्रथम स्थान हासिल कर सभी को प्रभावित किया। इन विजेताओं को सम्मानित करते हुए संस्थान ने युवाओं को निरंतर ज्ञान अर्जन की प्रेरणा दी।दूसरी ओर, भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने स्वामी विवेकानंद जी के 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो' जैसे प्रेरक उद्घोषों पर प्रकाश डाला। इसकी श्रेणीवार विजेता इस प्रकार रहींः कल्पना सदन से सामिया ने प्रथम स्थान प्राप्त कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, सौभाग्य प्रकाश ने द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि विवेकानंद सदन से शिवपाल ने तृतीय स्थान प्राप्त कर सराहना बटोरी। प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं ने न केवल अपनी अभिव्यक्ति क्षमता दिखाई, बल्कि राष्ट्रीय एकता और स्वदेशी भावना को भी मजबूत किया।प्राचार्य का प्रेरक संदेश और शुभकामनाएंकार्यक्रम के समापन पर संस्थान के प्राचार्य श्री दरवेश कुमार सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस हमें जीवन को सार्थक दिशा प्रदान करने का अवसर देता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए युवाओं को देश सेवा, आत्म-अनुशासन और कठोर परिश्रम की सीख दी। प्राचार्य जी ने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण का आधार है।इस अवसर पर संस्थान के प्रवक्ता श्री वीरेंद्र कुमार, स्वदेश कुमार, अमित कुमार, अमित कुमार शर्मा, पुलकित शर्मा, विजय कुमार, नीलेश नाथ, मेघा अग्रवाल, स्मिता राजपूत, मंजूलता, सुनीता विष्ट सहित सभी प्रशिक्षु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जो युवाओं में देशभक्ति की लौ प्रज्वलित करने वाला रहा।

शिकायतों के बावजूद भी नहीं सही कराया जा रहा खेल मैदान

(जीएनएस)।(जीएनएस)।

अध्यक्ष प्रतिनिधि के वादों की पोल खोलता ये खेल मैदान शिकायतों के बावजूद भी नहीं सही कराया जा रहा खेल मैदान

आदर्श नगर पंचायत जैदपुर के वार्ड वसी नगर में नूर मोहम्मद इण्टर कॉलेज के पीछे खेल मैदान अपनी बदहाली पर आसूं बहा रहा है खिलाड़ी अक्सर खेल मैदान ग्राउंड को सही करते है क्योंकि रखरखाव की कमी अधिकारियों की अनदेखी सुविधाओं के अभाव के कारण मैदान खराब हो जाते है जिससे उन्हें खेल में दिक्कत होती है ऐसे में खिलाड़ी खुद सफाई समतल करने और छोटी मोटी मरम्मत का काम करते है ताकि वो खेल सके और खेल के माहौल को बेहतर बना सके जो सिस्टम से उनकी लड़ाई और खेल के प्रति जुनून को दिखाता है अधिकारियों की अनदेखी और अध्यक्ष प्रतिनिधि के वादे की पोल खोलता ये खेल मैदान खिलाड़ियों का कहना है कि कुछ दिन पूर्व इसी मैदान में क्रिकेट उद्घाटन के लिए अध्यक्ष प्रतिनिधि को बुलाया गया था तो उन्होंने वादा किया था कि इस खेल मैदान में जो भी गड्ढे है उनको पटवा कर मैदान को सही कराऊंगा फिर भी आज तक सही नहीं कराया गया खिलाड़ी अब अध्यक्ष प्रतिनिधि के वादों को लेकर तरह तरह की बातें सोच रहे है अब्दुल वहीद. अजहरुददीन. सैफुल्लाह आसिफ. जमाल रसूल. अनस. शुऐब . आमिर. मोनू. महफूज. शादाब. करन. सिराजुददीन आदि खिलाड़ियों का कहना है कि आदर्श नगर पंचायत जैदपुर के अधिशाषी अधिकारी व अध्यक्ष प्रतिनिधि इसको अपने संज्ञान में ले और मैदान को जल्द से जल्द सही कराया जाए

पीलीभीतःदियोरा से आमडार मधैईया मार्ग पर PWD सड़क का हाल

(जीएनएस)।

पीलीभीत,दियोरा से आमडार मधैईया मार्ग पर हाल ही में बनी ढहऊ सड़क घटिया सामग्री से तैयार होने के कारण चंद दिनों में ही उखड़ने लगी है। ग्रामीणों ने इसे "पापड़ की तरह टूट रही सड़क" बताते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। ठेकेदार पर सरकारी धन का दुरुपयोग और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क अब पूरी तरह गड्ढों में बदल चुकी है, जिससे रोजाना आने-जाने वाले राहगीर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। उन्होंने शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जितिन प्रसाद जैसे मंत्री सड़क निर्माण के निर्देश दे रहे हैं, वहीं विभागीय अधिकारी कथित तौर पर घोटाले में लिप्त हैं।

ग्रामीणों की मांगें और चिंताएं

- तत्काल मरम्मतः सड़क को मजबूत सामग्री से दोबारा बनवाना।
- जांचः ठेकेदार और अधिकारियों पर भ्रष्टाचार की गहन जांच।
- सुरक्षाः दुर्घटनाओं को रोकने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था।

ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन भी किया और प्रशासन से गहन जांच की मांग की है। क्या यह मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा?

पहली कोशिश में ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन उत्तीर्ण किया। पास करने वाली साक्षी मिश्राः पिता सर्वेश की भावुक शुभकामनाएं

(जीएनएस)।

पीलीभीत, उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले की तहसील बीसलपुर के ग्राम हाफिज नगर बन्नाई निवासी सर्वेश मिश्रा की पुत्री साक्षी मिश्रा ने अपनी पहली ही कोशिश में ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन उत्तीर्ण कर लिया है। यह उपलब्धि न केवल साक्षी की कड़ी मेहनत का प्रमाण है, बल्कि उनके संस्कारों, विश्वास और भोलेनाथ की असीम कृपा का भी प्रतीक है।सर्वेश मिश्रा, जो वर्तमान में गाजियाबाद के साहिबाबाद में रहते हैं, ने अपनी पुत्री की इस सफलता पर गहरा भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने कहा, "मेरी बेटी ने अपने पहले ही प्रयास में ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन उत्तीर्ण किया। यह सफलता भोलेनाथ की असीम कृपा से संभव हुई। मेरी बेटी की मेहनत, संस्कार और विश्वास रंग लाए। एक पिता के रूप में मेरी दुआएँ, आशीर्वाद और प्यार हमेशा उसके साथ रहेंगे। महादेव उसे हमेशा सही राह दिखाएँ और हर कदम पर सफलता दें।"यह सफलता स्थानीय समुदाय के लिए प्रेरणादायक है, खासकर ग्रामीण

ALL INDIA BAR EXAMINATION - XX

Candidate Admit Card Details for AIBE - XX

Candidate Photo & Signature

पृष्ठभूमि से आने वाली बेटी के लिए। साक्षी की यह उपलब्धि दिखाती है कि दृढ़ संकल्प और आध्यात्मिक विश्वास से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। पिता सर्वेश मिश्रा की भावनाएं हर उस माता-पिता की अभिव्यक्ति हैं जो अपनी संतान की सफलता में ईश्वर की कृपा और अपनी मेहनत को जोड़ते हैं।समाज में साक्षी जैसे युवाओं की सफलताएं नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करती हैं। हम साक्षी मिश्रा को हार्दिक बधाई देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। महादेव की कृपा से उनकी राह हमेशा सफलताओं से भरी रहे।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

ईरान में 100 शहरों में फैला प्रदर्शन सैकड़ों की मौत

ईरान में महंगाई के खिलाफ 13 दिनों से चल रहे प्रदर्शन के बीच गुरुवार रात को हालात और बेकाबू हो गए। एक न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में 100 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन पैल चुका है। प्रदर्शनकारियों ने सड़के ब्लाक की, आग लगाई। लोग खामेनेई की मौत और इस्लामिक रिपब्लिकन का अंत हुआ, जैसे नारे लगा रहे थे। वुछ जगहों पर प्रदर्शनकारी व्रउन प्रिंस रजा पहलवी के समर्थन में नारे लगा रहे थे। वह नारा लगा रहे थे यह आखिरी लड़ाई है शाह पहलवी लौटेंगे। अमेरिकन १मून राइट एजेंसी के मुताबिक प्रदर्शनों के दौरान हुई हिसा में अब तक 200 लोग मारे गए हैं। जिसमें 8 बच्चे शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी की भी चावू मारकर हत्या कर दी गई। जबकि 2270 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। ईरान में महंगाई के खिलाफ आम लोगों का विरोध प्रदर्शन धीरे-धीरे तेहरान बनाम वाशिगटन होता जा रहा है। ईरानी मीडिया खुलेआम कह रहा है कि प्रदर्शनकारियों को सीआईए और मोसाद हवा व मदद दे रहा है। प्रदर्शन की आड़ में वाशिगटन और तेल अवीव सत्ता परिवर्तन करवाना चाहता है। वह खामेनेई को भगाना चाहता है और ईरान के मुल्ला सत्ता को उखाड़ पेंक शाह पहलवी को सत्ता पर बिठाना चाहता है। इसके पीछे ईरान का तेल और अन्य कीमती खनिज पदार्थ ट्रंप अपने हाथ में लेना चाहता है। इसमें कोई शक नहीं कि ईरानी जनता महंगाई, बेरोजगारी से परेशान है और इसलिए सड़कों पर उतरी है। पर इस असंतोष का फायदा ट्रंप उठाना चाहते हैं और इस बहाने वह सत्ता परिवर्तन करना चाहते हैं। पर यह काम इतना आसान नहीं होगा।

ईरानी एक बहुत बहादुर और लड़ावू कौम है। वह अपनी सरकार से नाराज तो हो सकते हैं। पर वह अपने देश की कमान ट्रंप के हाथ में नहीं देना चाहेंगे। प्रदर्शनों के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई ने शुव्रवार को स्पष्ट और सख्त संदेश दिया कि इस्लामिक गणराज्य किसी भी हालत में पीछे नहीं हटेगा। सरकारी टीवी पर प्रसारित भाषण में 86 वषीय खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों को विदेश समर्पित तत्व करार दिया और कहा कि उनका उद्देश्य ईरान को अस्थिर करना है।

खामेनेई ने विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति के हाथ हजारों ईरानियों के खून से सने हैं। दरअसल ईरान की समस्या बहुत हद तक अमेरिकी और पामि देशों ने पैदा की हुई है। वर्षों से ईरान को आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। इस समय भी परमाणु हथियारों के कार्यव्रम पर रोक नहीं लगाने के आरोप में अमेरिका और यूरोप ने ईरान पर कई तरह के प्रतिबंध लाद रखे हैं। इन पाबंदियों की वजह से ईरान की इकोनॉमी डूबने की कगार पर पहुंच चुकी है। दशकों का इन पाबंदियों की वजह से ईरान को कभी संभलने का मौका नहीं मिला। ताजा विरोध प्रदर्शन देश के अधिकतर हिस्सों में पैल चुका है। इंटरनेट बंद है और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर पूरी दुनिया में चिता है। पर यह ईरान का अंदरूनी मामला है और एक संप्रभु देश के मामले में अमेरिका या और किसी देश को वूदने का भी अधिकार नहीं है। अमेरिका और इजरायल आए दिन ईरान पर सैनिक कार्रवाई करने की धमकी दे रहा है।

वीजीआरसी-2026 : वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस में 5.78 लाख करोड़ रुपए के 5492 एमओयू संपन्न : कैबिनेट मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी

विकसित भारत@2047 के संकल्प में सौराष्ट्रझकच्छ बनेगा देश का ग्रोथ इंजन : मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी

श्री जीतूभाई वाघाणी ने 15 जनवरी तक चलने वाली एग्जीबिशन का अधिक से अधिक लाभ लेने का औद्योगिक इकाइयों और नागरिकों से किया अनुरोध

सौराष्ट्र के उद्योगकार न्यू एज टेक्नोलॉजी क्षेत्र में निवेश कर आगे बढ़ें : कैबिनेट मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया का आह्वान

'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस' सौराष्ट्र कच्छ की क्षमता को दुनिया के समक्ष उजागर करने का बड़ा प्लेटफॉर्म बनी : कैबिनेट मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया

वीजीआरसी में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एमएसएमई और प्रतिभागियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया

राजकोट, 12 जनवरी : राजकोट स्थित मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में आयोजित दो दिवसीय 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस-कच्छ और सौराष्ट्र' का सोमवार को समापन हुआ। कैबिनेट मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी ने इस कॉन्फ्रेंस के दौरान 5.78 लाख करोड़ रुपए के निवेश के 5492 समझौता ज्ञापन (एमओयू) होने की घोषणा की।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए राज्य के कैबिनेट मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी ने कहा कि वर्ष 2047 तक सौराष्ट्र और कच्छ को विकसित बनाने के लिए राज्य सरकार ने एक ठोस रोडमैप तैयार किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जब वर्ष 2003 में वाइब्रेंट गुजरात की शुरूआत की थी, तब उन्हें अनेक आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, लेकिन उनके अचल विश्वास और विजन के कारण आज गुजरात और भारत विकास की लंबी छलांग लगा रहे हैं। उन्होंने गर्व से कहा कि इस रीजनल कॉन्फ्रेंस में हमारे प्रधानमंत्री की मौजूदगी, जिनसे दुनिया भर की प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाइयां मिलने को आतुर होती हैं, यह दशार्ती है कि सौराष्ट्र और कच्छ का विकास उनके लिए कितना मायने रखता है।

मंत्री श्री वाघाणी ने वाइब्रेंट गुजरात की ऐतिहासिक यात्रा और सफलता के आंकड़े पेश करते हुए कहा कि वर्ष 2003 में पहले वाइब्रेंट गुजरात के दौरान केवल 66 हजार करोड़ रुपए के 80 एमओयू किए गए थे, जिसके मुकाबले आज राजकोट में आयोजित इस रीजनल कॉन्फ्रेंस में ही 5.78 लाख करोड़ रुपए के 5492 एमओयू संपन्न हुए हैं। ये आंकड़ें और अनेक देशों की सहभागिता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर अटूट विश्वास को दिखाते हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे आयाम साकार हो रहे हैं, जिसका सीधा लाभ गुजरात के उद्योगपतियों और इकाइयों को मिल रहा है।

उन्होंने कॉन्फ्रेंस के दौरान विभिन्न सेक्टरों में हुई गहरी चचाओं के उद्योगों के लिए मार्गदर्शक साबित होने का विश्वास व्यक्त करते हुए औद्योगिक इकाइयों और नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में आगामी 15 जनवरी तक चलने वाली वाइब्रेंट गुजरात रीजनल एग्जीबिशन का लाभ लेने का अनुरोध किया। अंत में, उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि जब भारत विश्वगुरु के स्थान पर विराजेगा, तब सौराष्ट्र और कच्छ उसके मुख्य ग्रोथ इंजन के रूप में उभरेंगे।

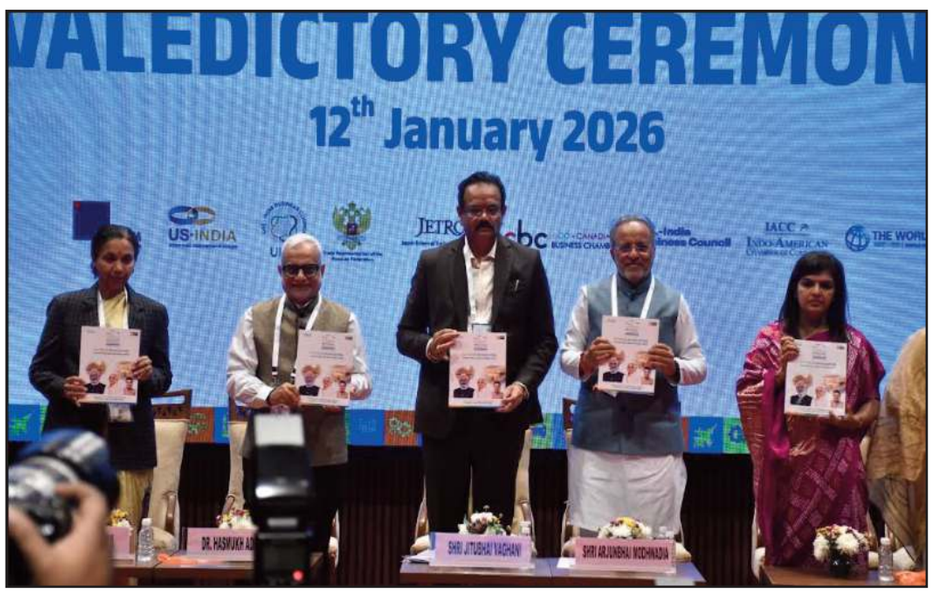

इस अवसर पर राज्य के पर्यावरण मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया ने कहा कि 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस' सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र की क्षमता को दुनिया के समक्ष उजागर करने का एक बड़ा प्लेटफॉर्म बनी है।

विभिन्न ऐतिहासिक किस्सों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कच्छ और सौराष्ट्र के लोगों की नस-नस में उद्यमिता भरी है। एक समय था जब सौराष्ट्र के नाविक समंदर पर राज करते थे।

उन्होंने सौराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों की औद्योगिक विशेषताओं का परिचय देते हुए कहा कि राज्य का प्रत्येक क्षेत्र किसी न किसी कौशल से भरा है और इसमें सौराष्ट्र का दबदबा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पोरबंदर, द्वारका और सोमनाथ बेल्ट दुनिया का सबसे बड़ा पर्यटन क्षेत्र बनने जा रहा है। देश और राज्य में सेमीकंडक्टर क्षेत्र की प्रगति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात राज्य वर्ष 2027 में सेमीकंडक्टर क्षेत्र का हब बन जाएगा।

इस अवसर पर उन्होंने कच्छ और सौराष्ट्र के उद्योगपतियों से न्यू एज टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में निवेश करते हुए आगे बढ़ने का आह्वान किया।

उद्योग विभाग की सचिव सुश्री ममता वर्मा ने स्वागत भाषण में सौराष्ट्रझकच्छ क्षेत्र के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस को गौरवपूर्ण क्षण करार देते हुए कहा कि पिछले दो दिनों में 'स्केल और स्किल' के समन्वय के साथ उद्यमियों को एक मजबूत प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया है। बीटूबी, बीटूजी, रिवर्स बायर्स-सेलर्स मीट और 50 से अधिक सेमिनारों के आयोजन से युवा पीढ़ी को भी एक नई दिशा मिली है।

इस अवसर पर उद्योग आयुक्त श्री पी. स्वरूप ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस की सफल यात्रा की विस्तार से जानकारी दी।

मारवाड़ी यूनिवर्सिटी के संस्थापक श्री केतन मारवाड़ी ने अपने संबोधन में कहा कि वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस ने साबित कर दिया है कि भारत आज विश्व मंच पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में आयोजित कॉन्फ्रेंस में 24 देशों के प्रतिनिधियों और 4000 उद्यमियों की उपस्थिति एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों के करकमलों से 'कच्छ एंड सौराष्ट्र : एंकरिंग गुजरात्स विजन' पुस्तक का विमोचन किया गया।

इस मौके पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विभिन्न एमएसएमई के उद्योगकारों, हस्तकला कारीगरों और उद्योग विभाग का पुरस्कार के साथ सम्मान किया गया, जबकि मारवाड़ी यूनिवर्सिटी के संचालकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनका भी सम्मान किया गया।

समापन समारोह में मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार श्री हसमुख अढिया, राजस्व विभाग की अपर मुख्य सचिव सुश्री जयंती रवि, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रवीणाबेन रंगाणी, विधायक सर्वश्री डॉ. दर्शिताबेन शाह, रमेशभाई टीलाळा, एलएंडटी के सीईओ श्री सिद्धार्थ गुप्ता, ज्योति सीएनसी के चेयरमैन श्री पराक्रमसिंह जाडेजा, मारवाड़ी यूनिवर्सिटी के सह-संस्थापक श्री जीतूभाई चंदाराणा, राजकोट चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री वी.पी. वैष्णव, अग्रणी उद्योगकार, व्यापार-उद्योग जगत के प्रतिनिधि और उच्च अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

भाषिनी समुदायः भारत के भाषा एआई इकोसिस्टम को मजबूत करना

(जीएनएस)। डिजिटल इंडिया भाषा प्रभाग (डीआईबीडी), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) 13 जनवरी 2026 को नालंदा हॉल, डॉ अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में भाषिनी समुदायः भारत के भाषा एआई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना का आयोजन करेगा।

भाषिनी समुदाय, भाषिनी की अगुवाई वाली एक मिलकर शुरू की गई पहल है। यह पहल भाषा के जानकारों, एकेडमिक संस्थानों, सिविल सोसाइटी संगठनों और डेटा प्रैक्टिशनर्स को एक साथ लाती है ताकि भारत के लिए भाषा अक सॉल्यूशन को मिलकर बनाया जा सके, उन्हें चलाया जा सके और बढ़ाया जा सके। यह पहल नेशनल लैंग्वेज ट्रांसलेशन मिशन (ठछळट) के तहत भाषिनी के काम को और मजबूत करती है ताकि भाषा की रुकावटों को खत्म किया जा सके और सभी भारतीय भाषाओं में डिजिटल सर्विस तक पहुँच पक्की हो सके।

कार्यशाला की शुरूआत मेहमानों के स्वागत भाषण और सम्मान से होगी, जिसके बाद औपचारिक उद्घाटन होगा। टी३ और डिजिटल इंडिया इलअरलक्ठक डिवीजन की सीनियर लीडरशिप, पब्लिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, कम्युनिटी पार्टिसिपेशन और एथिकल डेटा प्रैक्टिस पर आधारित एक कोऑर्डिनेटेड, सॉवरेन और इनक्लूसिव लैंग्वेज अक इकोसिस्टम बनाने के लिए इलअरलक्ठक के विजन को बताएगी।

डिजिटल इंडिया भाषिनी डिवीजन के सीईओ श्री अमिताभ नाग एक विशेष चर्चा में भाग लेंगे, जहां वे राष्ट्रीय भाषा अकप्लेटफॉर्म के रूप में भाषिनी की प्रगति और सरकारी सेवाओं, शिक्षा व जन-सुविधाओं में इसकी भूमिका पर बात करेंगे। इस सत्र का संचालन गेट्स फाउंडेशन के श्री अर्जुन वेंकटरामन करेंगे।

इसके बाद कार्यशाला में भाषिनी के विस्तार और इसकी भविष्य की योजनाओं पर चर्चा होगी, जिसमें सीनियर जनरल मैनेजर श्री शैलेंद्र पाल सिंह बताएंगे कि कैसे अलग-अलग संस्थान और राज्य सरकारें इस प्लेटफॉर्म के साथ मिलकर काम कर सकते हैं।

कार्यशाला में भाषिनी समुदाय प्लेटफॉर्म पर भी जोर दिया जाएगा ताकि भागीदारों से सुझाव लेकर इसे और बेहतर बनाया जा सके। साथ ही, श्री अजय सिंह राजवत के नेतृत्व में 'भाषिनी इन एक्शन' के तहत लाइव डेमो दिखाए जाएंगे और 'भाषादान' पोर्टल के बारे में जानकारी दी जाएगी, जहां आम नागरिक अपनी भाषा का योगदान दे सकते हैं।

दोपहर के भोजन के बाद डेटा सिस्टम को मजबूत करने के लिए नए भागीदारों को जोड़ने की प्रक्रिया पर चर्चा होगी, ताकि सही और सुरक्षित तरीके से डेटा तैयार किया जा सके।

अंत में, भविष्य के साझा लक्ष्यों और आपसी सहयोग के संकल्प के साथ इस कार्यशाला का समापन होगा।

मुख्य स्पीकर और योगदान देने वालों में शामिल हैंः

श्री अमिताभ नाग, उएड, डिजिटल इंडिया भाषिनी डिवीजन

श्री तरुण पांडे, साइंटिस्ट ए, टी३

प्रो. गिरीश नाथ झा, स्कूल ऑफ संस्कृत एंड इंडिक स्टडीज, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी

सुश्री सुखना साहनी, हेड झ्र अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन, रॉकेट लर्निंग

श्री शैलेंद्र पाल सिंह, सीनियर जनरल मैनेजर, डिजिटल इंडिया भाषिनी डिवीजन

श्री मनु चोपड़ा, उएड और को-फाउंडर, कार्य

श्री अजय सिंह राजावत, सीनियर मैनेजर, डिजिटल इंडिया भाषिनी डिवीजन

सुश्री नुपुरा गावड़े, डिजाइन एंड एंगेजमेंट लीड, सिविकडेटालैब

भाषिनी समुदाय वर्कशॉप, भाषा

औषधीय पौधों की आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए एआई-सक्षम फार्म-गेट गुणवत्ता और ट्रेसिएबिलिटी की मांग

विशेषज्ञों ने भारत की औषधीय पौधों की आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए एआई-सक्षम फार्म-गेट गुणवत्ता और ट्रेसिएबिलिटी की मांग की

विशेषज्ञों ने भारत की औषधीय पौधों की आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए एआई-सक्षम फार्म-गेट गुणवत्ता और ट्रेसिएबिलिटी की मांग की

आईआईटी दिल्ली ने औषधीय पौधों के फार्म-गेट गुणवत्ता मूल्यांकन को बढ़ावा देने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

संगोष्ठी में आयुष कच्चे माल की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए डिजिटल रोडमैप तैयार किया गया

(जीएनएस)। 'स्थानों, जिनमें राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) भी शामिल है, के विशेषज्ञों ने "फार्म गेट पर औषधीय पौधों की गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए उपकरणों का डिजाइन और विकास" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और संबंधित प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके औषधीय पौधों की गुणवत्ता और उनके उत्पादन से लेकर संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला तक की निगरानी, सत्यापन और प्रलेखन की अपील की है। यह संगोष्ठी 8-9 जनवरी 2026 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में आयोजित की गई थी और इसमें भारत के औषधीय पादप क्षेत्र पर राष्ट्रीय ध्यान केंद्रित किया गया था। इसमें कच्चे माल की गुणवत्ता सुनिश्चित करना, पता लगाना और मूल स्थान पर ही मानकीकरण करना शामिल था।

यह संगोष्ठी नीति निमार्ताओं, वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, उद्योगपतियों और शोधकताओं को भारत के आयुष और औषधीय पादप इकोसिस्टम के सतत विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता की नींव के रूप में कृषि-स्तर की गुणवत्ता प्रणालियों को सुदृढ़ करने पर विचार-विमर्श करने के लिए आयोजित की गई थी।

संगोष्ठी का उद्घाटन एनएमबीपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रोफेसर डॉ. महेश कुमार दाधिच और आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) की निदेशक प्रोफेसर डॉ. तनुजा नेसारी के मुख्य भाषणों से हुआ। उनके व्याखयानों ने गुणवत्ता-आधारित विकास के लिए राष्ट्रीय नीति और वैज्ञानिक संदर्भ स्थापित किया, जिसमें भारतीय औषधीय पौधों के कच्चे माल में वैश्विक विश्वास पैदा करने के लिए नवाचार, विनियमन और पारंपरिक ज्ञान को एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

प्रथम दिन के तकनीकी सत्रों में औषधीय पौधों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला का गहन अध्ययन किया गया—जिसमें सतत खेती और पुनरुत्पादक कृषि से लेकर एआई-आधारित गुणवत्ता मूल्यांकन, डिजिटल ट्रेसिएबिलिटी और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण शामिल थे। आईसीएआर-औषधीय और सुगंधित पादप अनुसंधान निदेशालय (डीएमएपीआर), आईआईटी दिल्ली, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), आयुष मंत्रालय, आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान केंद्रीय परिषद (सीसीआरएएस), हिमालय वेलनेस और हर्बलस्केप क्रॉप्स के विशेषज्ञों ने साक्ष्य-आधारित अंतर्दृष्टि और प्रक्षेत्र अनुभव साझा किए।

चचाओं में रेखांकित किया गया कि भारत तकनीकी और संस्थागत रूप से एआई-आधारित निदान, डिजिटल फेनोटाइपिंग और एकीकृत गुणवत्ता ढांचे को अपनाने के लिए तैयार है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय औषधीय पौधों के कच्चे माल की विश्वसनीयता को बल मिलता है।

दूसरा दिन भारतीय औषधीय पादप उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण और

आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता और ट्रेसिएबिलिटी के लिए ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के उपयोग पर दो संरचित विशेषज्ञ विचार-मंथन सत्रों के माध्यम से रोडमैप निर्माण के लिए समर्पित था।

इन सत्रों के परिणामस्वरूप इस बात पर एक मजबूत सहमति बनी कि फार्म गेट पर डिजिटल उपकरण - जैसे कि पोर्टेबल गुणवत्ता-परीक्षण उपकरण, एआई-सक्षम निर्णय-समर्थन प्रणाली और ब्लॉकचेन-आधारित ट्रेसिएबिलिटी प्लेटफॉर्म - अब वैकल्पिक नहीं बल्कि भारतीय हर्बल कच्चे माल की प्रामाणिकता, सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं।

इस संगोष्ठी से एनएमपीईबी और आयुष मंत्रालय के उद्देश्यों के अनुरूप स्पष्ट और व्यावहारिक परिणाम प्राप्त हुए। इसने नीतिगत संस्थानों, वैज्ञानिक निकायों, उद्योग जगत के हितधारकों और वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों के बीच राष्ट्रीय स्तर पर एक अभूतपूर्व समन्वय स्थापित किया, जिससे खंडित उपायों के बजाय एकीकृत समाधानों को बढ़ावा मिला।

सभी प्रतिभागियों ने सर्वसम्मति से रेखांकित किया कि गुणवत्ता का निर्माण उत्पादन स्थल पर ही होना चाहिए, जो प्राथमिक उत्पादकों और संग्राहकों को सशक्त बनाने के एनएमबीपी के जनादेश का प्रत्यक्ष समर्थन करता है। विचार-विमर्श में मिलावट, भिन्नता और किसानों के नुकसान को कम करने के लिए एआई और डिजिटल उपकरणों के व्यावहारिक उपयोग को मान्यता दी गई, साथ ही निर्यात और औषध विज्ञान के अनुपालन के लिए ब्लॉकचेन-आधारित संपूर्ण ट्रेसिएबिलिटी की महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्थापित किया गया।

संगोष्ठी में वृक्ष आयुर्वेद जैसी पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक गुणवत्ता नियंत्रण ढांचों के साथ एकीकृत करने पर भी प्रकाश डाला गया, जिससे यह प्रदर्शित हुआ कि भारत की विरासत को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित और डिजिटाइज करके वैश्विक स्वीकृति को कैसे सुदृढ़ किया जा सकता है। क्षमता निर्माण पर विशेष बल दिया गया, जिसमें प्रतिभागियों को उन्नत उपकरणों, मानकों और विकसित हो रही नीतिगत दिशाओं से अवगत कराया गया।

इस संगोष्ठी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता से युक्त, ट्रेसिएबिलिटी और मानकीकृत औषधीय पौध आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए एक राष्ट्रीय ढांचा विकसित करने की ठोस नींव रखी। इसके परिणाम आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का प्रत्यक्ष रूप से समर्थन करते हैं, साथ ही वैश्विक आयुष क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को भी सुदृढ़ करते हैं।

विचार-विमर्श में एनएमपीएफ समर्थित पहलों के अंतर्गत पायलट परियोजनाओं, प्रौद्योगिकी तैनाती और किसान स्तर पर क्षमता निर्माण के लिए निरंतर और विस्तारित सहायता की आवश्यकता पर जोर दिया गया, जिसमें भारत की औषधीय पौध अर्थव्यवस्था के आधारशिला के रूप में खेत-स्तर की गुणवत्ता को स्थापित किया गया।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दीर्घकालिक, समन्वित दृष्टिकोण पर बल

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने दिल्ली की मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली की वायु प्रदूषण कार्य योजना की समीक्षा की; एनसीआर में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दीर्घकालिक, समन्वित दृष्टिकोण पर बल दिया

श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि वाहनों, उद्योगों एवं धूल प्रदूषण पर सख्त उपायों पर चर्चा हुई; स्वच्छ हवा के लिए जनभागीदारी महत्वपूर्ण

सीपीसीबी ने उत्सर्जन निगरानी प्रणाली स्थापित नहीं करने पर 88 औद्योगिक इकाइयों को नोटिस जारी किया; 23.01.2026 से बंद करने की कार्रवाई होगी शुरू

(जीएनएस)। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने आज एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए एनसीआर शहरों में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार की कार्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। यह बैठक नियमित वार्षिक समीक्षा तंत्र का हिस्सा थी जिसका उद्देश्य प्रगति का आकलन करना एवं चिन्हित उपायों के कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाना है। बैठक में उपस्थित गणमान्य लोगों में दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्य मंत्री (ईएफसीसी) श्री कीर्ति वर्धन सिंह और दिल्ली के पर्यावरण मंत्री सरदार

मनजिंदर सिंह सिरसा के अलावा, ईएफसीसी मंत्रालय एवं दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

बैठक की शुरूआत में श्री यादव ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार एवं संबंधित एजेंसियों के अधिकारियों के निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने याद दिलाया कि 2021 में, केंद्र सरकार ने एक समर्पित कानून बनाया और एक दूरदर्शी कदम के रूप में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) का गठन किया। दिल्ली एनसीआर के वायुमंडलीय क्षेत्र की पहचान की गई ताकि पूरे क्षेत्र में प्रदूषण स्रोतों का निर्धारण सटीक तरीके से किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि एनसीआर में वायु प्रदूषण मानवजनित गतिविधियों एवं मौसम संबंधी कारकों दोनों से प्रभावित होता है और इस बात पर बल दिया कि तात्कालिक उपायों के बजाय दीर्घकालिक नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

वाहन प्रदूषण पर, केंद्रीय मंत्री ने स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन की आवश्यकता पर बल दिया, विशेष रूप से 62 पहचाने गए जाम स्थानों पर, ताकि ट्रैफिक का प्रवाह सुचारु रूप से हो सके। उन्होंने प्रदूषण उत्पन्न करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर बल दिया, जिसमें विशेष पंजीकरण अभियान, सीमा प्रवेश बिंदुओं पर स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) प्रणाली की स्थापना, और पीक-घंटों के दौरान जाम को कम करने के लिए ऑफिस समय में बदलाव की संभावना की तलाश शामिल है। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना, चार्जिंग अवसंरचना का तेजी से विस्तार करना, भीड़भाड़ शुल्क, स्मार्ट पार्किंग प्रबंधन एवं एनसीआर के लिए एक समान वाहन पंजीकरण नीति जैसे उपायों पर चर्चा की गई। श्री यादव ने इस बात पर बल दिया कि इन उपायों की सफलता के लिए व्यवहार में बदलाव एवं जनभागीदारी बहुत महत्वपूर्ण हैं।

औद्योगिक प्रदूषण की समीक्षा करने के दौरान यह पता चला कि एनसीआर में स्थित 240 औद्योगिक संपदाओं में से 227 पहले ही निर्धारित औद्योगिक संपदा क्षेत्र (पीएनजी) में स्थानांतरित हो चुकी हैं। हालांकि, निर्धारित संपदाओं के बाहर उद्योगों का अनियोजित विकास और उसके बाद नियमितीकरण चिंता का विषय बना हुआ है। श्री यादव ने निर्देश दिया कि अवैध रूप से संचालित और नियमों की अनदेखी करने वाली इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सील करना भी शामिल है।

जनता दर्शन : अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं, भूमाफिया व दबंगों के खिलाफ जारी रहेगी कठोर कार्रवाईः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने सोमवार को किया 'जनता दर्शन', प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए प्रार्थीगणों की समस्याएं सुनीं

गंभीर बीमारियों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता दे रही सरकारः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने बच्चों को किया दुलार, अभिभावकों से कहा- ठंड में बच्चों का रखें विशेष ध्यान

लखनऊ, 12 जनवरीः

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक प्रार्थी से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। आमजनों के प्रार्थना पत्र लेकर

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्रवाई का निर्देश दिया और कहा कि अवैध कब्जा कतई बर्दाश्त नहीं है। भूमाफिया और दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी है और नियमित रूप से होती रहेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार आपकी समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

कानून व राजस्व के प्रकरण में शीघ्रता से निस्तारण का दिया निर्देश

मुख्यमंत्री के समक्ष कुछ वादी जमीन कब्जा व मारपीट आदि की शिकायत लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर एक व्यक्ति के पास पहुंचकर उसकी शिकायत सुनी, प्रार्थना पत्र लिया, फिर अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनपद स्तर पर कानून व राजस्व के प्रकरण में तेजी से सुनवाई करते हुए इसका निस्तारण किया जाए। कानून व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता में है।

लक्ष्य पर एकाग्रता, संकल्प पर दृढ़ता व कर्म में निरंतरता ही स्वामी विवेकानंद का संदेशः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

'राष्ट्रीय युवा दिवस' पर सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

सीएम ने स्वामी विवेकानंद व माता जीजाबाई को किया नमन

मुख्यमंत्री ने 10 युवाओं तथा युवक व महिला मंगल दल को प्रदान किया राज्य स्तरीय विवेकानंद यूथ अवार्ड

'महाभारत के रिश्ते' अब वसूली के लिए निकलेंगे तो जेल जाएंगेः योगी

स्वामी विवेकानंद यूथ अवॉर्ड के लिए अगली बार से खेल, पर्यावरण व जल संरक्षण पर रहेगा अधिक जोरः सीएम

जुलाई-2026 में फिर होगा 35 करोड़ पौधरोपणः मुख्यमंत्री

लखनऊ, 12 जनवरीः

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत की सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना को वैश्विक मंच पर परिचित कराने में बड़ी भूमिका का निर्वहन किया था। उन्होंने भारत व भारतीयता को नई पहचान दिलाई। स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा आगे बढ़ने के साथ ही हर परिस्थिति में हमारा मार्गदर्शन करती है। सीएम ने नरेंद्र से स्वामी विवेकानंद तक की उनकी यात्रा को साधक से युग प्रवर्तक की यात्रा बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने 'उठो-जागो और लक्ष्य

की प्राप्ति तक मत रुको' को जीवन का मंत्र बनाया था। उनका संदेश था- जब तक लक्ष्य पर एकाग्रता, संकल्प पर दृढ़ता व कर्म में निरंतरता नहीं होगी, तब तक सफलता प्राप्त नहीं हो सकती। इस भाव को आत्मसात करने वाले को सफल होने से कोई रोक नहीं सकता। सीएम ने युवाओं से कहा कि इच्छाशक्ति और संकल्प हो तो बदलाव के वाहक बन सकते हैं। लीक से हटकर चलने की प्रेरणा हमें आगे बढ़ाती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'युवा शक्ति-राष्ट्र शक्ति' के संकल्प के साथ इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सोमवार को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम में उक्त विचार प्रकट किए। मुख्यमंत्री ने यहां प्रदर्शनी व लघु फिल्म का अवलोकन किया। उन्होंने 10 युवाओं, तीन युवक मंगल दल व तीन महिला मंगल दल को स्वामी विवेकानंद यूथ अवार्ड प्रदान किया। सीएम ने राष्ट्रनायक छत्रपति शिवाजी महाराज को गढ़ने वाली जीजाबाई मां साहिब की पावन जयंती पर उन्हें नमन किया।

भारत को भारतीयता के आत्मबोध से जागरूक करने में युवा संन्यासी की महती भूमिका

सीएम योगी ने कहा कि सुप्त चेतना के कारण जो भारत आत्मबोध लगभग खो चुका था,

स्वामी विवेकानंद उस भारत का प्रतिनिधित्व करते थे। उस समय मुट्ठी भर विदेशी आक्रांता भारत को गुलाम बनाने में सफल हो गए। चंद लोग भारत को लूट रहे थे। यहां की सभ्यता, संस्कृति और परंपरा को अपमानित किया जा रहा था, उस कालखंड में सुप्त चेतना को जागृत करने व भारत को भारतीयता के आत्मबोध से जागरूक करने के लिए युवा संन्यासी स्वामी विवेकानंद ने महती भूमिका का निर्वहन किया था।

मैं भारत की उस परंपरा से आया हूं, जिसने सदैव मानव कल्याण का मार्ग दिखाया है

सीएम योगी ने कहा कि शिकागो की धर्मसभा में स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि मैं भारत की उस परंपरा से आया हूं, जिसने सदैव मानव कल्याण का मार्ग दिखाया है। हमारे पास बुद्धि, वैभव व बल था, लेकिन हमने जबरन अपनी बात नहीं थोपी, क्योंकि जब भी पीड़ित मानवता भारत की तरफ आई है तो भारत ने उसे शरण, संरक्षण व संवर्धन दिया है। मुझे गर्व है कि मैं हिंदू हूं। यह उद्घोष राष्ट्र को ऊर्जा से भर देने वाला था। भारत में हर हिंदू का संस्कार है कि वह इसे जीवन का मंत्र बनाए।

स्वामी विवेकानंद के विश्वास को मूर्त रूप लेते देख रहे

सीएम ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का दृढ़ विश्वास था कि भारत युवा शक्ति, आध्यात्मिक चेतना के बल पर खुद को विश्व गुरु के रूप में स्थापित करेगा। हम आज उसे मूर्त रूप लेते देख रहे हैं। 1947 में आजादी के एक दिन पहले देश का दर्दनाक विभाजन हुआ। लाखों की संख्या में कत्लेआम हर भारतीय को आहत कर रहा था। हर भारतीय आजादी का उत्सव नहीं मना पाया, लेकिन जब देश आजादी के 75 वर्ष पूरा कर रहा था, तब पीएम मोदी के नेतृत्व में लोग आत्मिक व अंतःकरण से आजादी के अमृत महोत्सव से जुड़े। जो प्रत्यक्ष रूप से नहीं जुड़ सके, वे 'हर घर तिरंगा' का हिस्सा बनकर आगे बढ़े। पीएम मोदी ने 2022 में विकसित भारत का विजन देते हुए स्पष्ट किया कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर कैसा भारत चाहिए।

दुनिया में मची उथल-पुथल पर हर देश से आवाज आ रही है कि मोदी जी आप कुछ कीजिए

केन्द्र-राज्य कर्मी पुरानी पेंशन बहाली के लिए एकमतः राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने खिचड़ी भोज में जताई एकजुटता

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद खिचड़ी भोज लखनऊ पुरानी पेंशन बहाली एकजुटता खिचड़ी भोज में मौजूद कर्मचारी नेता और पदाधिकारी

लखनऊ, (जीएनएस)।

लखनऊ के डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ भवन प्रांगण में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद द्वारा नववर्ष एवं खिचड़ी भोज का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र एवं राज्य के विभिन्न कर्मचारी संगठनों के सैकड़ों पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर पुरानी पेंशन बहाली को लेकर सभी संगठन एकमत दिखे और आंदोलन की रणनीति पर गहन विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम

की अध्यक्षता इंजी. अमरनाथ यादव ने की, जबकि मुख्य अतिथि नार्दन मेन यूनियन के महासचिव कामरेड शिवगोपाल मिश्रा रहे। विशिष्ट अतिथि इंजी. हरि किशोर तिवारी भी मौजूद थे।

पुरानी पेंशन बहाली पर एकजुटताः सभी संगठनों का संकल्प

कार्यक्रम के संयोजक एवं कार्यवाहक अध्यक्ष इंजी. एन.डी. द्विवेदी ने सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि पुरानी पेंशन बहाली अब एक राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है। उन्होंने बताया कि कामरेड शिवगोपाल मिश्रा आठवें वेतन आयोग और पुरानी पेंशन की उच्च स्तरीय केन्द्रीय कमेटियों में कर्मचारियों की ओर से मजबूती से पक्ष रख रहे हैं। सभी संगठनों ने पुरानी पेंशन बहाली पर एकमत विचार प्रस्तुत करते हुए इसे जल्द लागू कराने की मांग दोहराई।

आठवें वेतन आयोग की सफलता और आगे की राह

मुख्य अतिथि कामरेड शिवगोपाल मिश्रा ने कहा कि आठवें वेतन आयोग को लाने में काफी संघर्ष करना पड़ा। पिछले वर्ष इसी खिचड़ी भोज में इसकी रणनीति तय की गई थी। पत्राचार, आंदोलन और दिल्ली में लाखों कर्मचारियों की रैली के बाद केन्द्र सरकार ने आयोग गठित किया। अब 9वें और 10वें वेतन आयोग का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने पुरानी पेंशन के लिए बनाई गई कमेटी में यूपीएस मॉडल पर चर्चा का जिक्र किया, जिसमें अंतिम वेतन का 50% पेंशन और महंगाई भत्ता देय होगा।

लापरवाही पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की सख्ती, 17 चिकित्साधिकारी बर्खास्त

लखनऊ। (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने सरकारी अस्पतालों में लापरवाही बरतने वाले चिकित्साधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 17 डॉक्टरों को बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई लंबे समय से ड्यूटी से अनुपस्थित रहने, मरीजों के साथ अभद्र व्यवहार करने और उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना जैसे मामलों में की गई है। डिप्टी सीएम के इस फैसले को स्वास्थ्य सेवाओं में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिन चिकित्साधिकारियों को बर्खास्त किया गया है, वे लगातार बिना सूचना के ड्यूटी से गायब पाए गए थे। इसके अलावा मरीजों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले चार चिकित्साधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। वहीं, स्थानांतरण के बाद नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण न करने वाले डॉ. गजेंद्र सिंह के विरुद्ध विभागीय जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं।

बीकेटी ट्रामा सेंटर में तैनात चार चिकित्साधिकारियों से कार्य में लापरवाही के आरोप में स्पष्टीकरण तलब किया गया है। इसके साथ ही तीन चिकित्साधिकारियों को लापरवाही बरतने पर चेतावनी जारी की गई है। उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी और कार्य में शिथिलता के मामलों में पांच चिकित्साधिकारियों की वेतन वृद्धि रोकते हुए परनिंदा दंड दिया गया है।

इसके अलावा क्रय नीति के विपरीत दवाओं की खरीद में दोषी पाए गए दो चिकित्साधिकारियों की पेंशन में 10 प्रतिशत कटौती के निर्देश दिए गए हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने स्पष्ट किया है कि मरीजों की सेवा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एकेटीयू में बीटेक प्रथम सत्र का शुभारंभ, राज्यपाल ने युवाओं को दिया नवाचार का संदेश

लखनऊ। (जीएनएस)। प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ के सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज का भ्रमण कर बीटेक प्रथम सत्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विवेकानंद जी युवाओं को राष्ट्र की ऊर्जा मानते थे और उनका संदेश आज भी मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत उन्नति तभी सार्थक है, जब वह राष्ट्रीय विकास से जुड़ी हो।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों से आह्वान किया कि बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप पाठ्यक्रमों को निरंतर अद्यतन किया जाए, जिससे विद्यार्थी नवोन्मेषी, आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बन सकें। उन्होंने स्वच्छता अभियान, डिजिटल पेमेंट, एक पेड़ मां के नाम और विकसित भारत जैसे अभियानों को राष्ट्रीय एकजुटता का परिणाम बताया। भारत की सांस्कृतिक विरासत पर गर्व व्यक्त करते हुए उन्होंने दिवाली को यूनेस्को से मिली मान्यता और देश की मजबूत आर्थिक प्रगति का उल्लेख किया।

उन्होंने उच्च शिक्षा और शोध में हुई प्रगति, नई शिक्षा नीति, चंद्रयान, गगनयान और भावी स्पेस स्टेशन को भारत के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक बताया। राज्यपाल ने एकेटीयू को नैक से ए प्लस ग्रेड मिलने पर बधाई दी और शोध, पेटेंट व नवाचार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रयोगशालाओं, इनोवेशन हब और स्टार्टअप गतिविधियों का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को अधिक अवसर देने के निर्देश दिए।

प्रशासनिक फेरबदल में संजय प्रसाद व मुकेश कुमार मेश्राम समेत पांच बने अपर मुख्य सचिव

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए पांच वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को पदोन्नति देते हुए अपर मुख्य सचिव बनाया है। इस क्रम में संजय प्रसाद, डॉ. आशीष कुमार गोयल, अमृत अभिजात, आर. रमेश कुमार और मुकेश कुमार मेश्राम को प्रमुख सचिव पद से प्रोन्नत कर अपर मुख्य सचिव के पद पर तैनात किया गया है। शासन के इस निर्णय से शीर्ष स्तर पर प्रशासनिक ढांचे को और सुदृढ़ करने की मंशा स्पष्ट होती है।

सरकार के अनुसार पदोन्नति पाने वाले सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में लंबे प्रशासनिक अनुभव और

कुशल कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। अपर मुख्य सचिव के रूप में इन अधिकारियों की भूमिका नीति निर्माण, विभागीय समन्वय और महत्वपूर्ण निर्णयों के क्रियान्वयन में और अधिक प्रभावी होगी। माना जा रहा है कि इससे शासन की कार्यप्रणाली में तेजी आएगी और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश सरकार लगातार प्रशासनिक सुधारों पर जोर दे रही है और समय-समय पर अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव कर व्यवस्था को अधिक सक्षम बनाने का प्रयास किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव का पद शासन में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के बाद प्रशासनिक निर्णय प्रक्रिया में अहम कड़ी होता है। इस फेरबदल को प्रदेश में विकास योजनाओं, कानून-व्यवस्था और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन की दिशा में एक अहम कदम के रूप में देखा जा रहा है। पदोन्नत अधिकारियों से अपेक्षा की जा रही है कि वे अपने अनुभव का उपयोग कर शासन को नई गति प्रदान करेंगे।

अतिक्रमण का अड्डा बना कुर्सी रोड साईकिल पथ, हटाने की उठी मांग

(जीएनएस)।

लखनऊ। शहर की कुर्सी रोड पर बना साईकिल पथ अब अतिक्रमण का अड्डा बनता जा रहा है। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा ने मामा चौराहा, विकासनगर से गुडम्बा स्पोर्ट कॉलेज तक बने साईकिल पथ को हटाकर सड़क चौड़ीकरण किए जाने की मांग उठाई है। संगठन का कहना है कि साईकिल चालकों की सुविधा के लिए तत्कालीन सपा सरकार के दौरान बनाया गया यह पथ अब अपने उद्देश्य से भटक चुका है और इसका उपयोग साईकिल चालक नहीं कर पा रहे हैं।

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर बताया कि साईकिल पथ पर ठेले, खोमचे और दुकानदारों ने अवैध कब्जा कर लिया है। इससे कुर्सी रोड पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है। सड़क सकरी होने के कारण यहां दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ऋषि त्रिवेदी ने कहा कि लगातार लगने वाले जाम के चलते इस मार्ग पर दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ी है। स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र, दफ्तर जाने वाले कर्मचारी और स्थानीय लोग रोजाना जोखिम उठाने को मजबूर हैं।

उन्होंने मांग की कि मामा चौराहा से गुडम्बा स्पोर्ट कॉलेज तक साईकिल पथ हटाकर सड़क का चौड़ीकरण कराया जाए, ताकि कुर्सी रोड पर यातायात सुचारु हो सके और जाम व दुर्घटनाओं से लोगों को राहत मिल सके।

छह साल में बदली लखनऊ की पुलिसिंग, कमिश्नरेट स्थापना दिवस पर गिनाई गईं उपलब्धियां

लखनऊ। (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्णय से 13 जनवरी 2020 को लखनऊ में लागू की गई पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली ने कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ा। कमिश्नरेट लखनऊ के छठे स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश राजीव कृष्ण रहे। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा मुख्य अतिथि का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। पुलिस महानिदेशक ने अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि लखनऊ पुलिस की उपलब्धियों के पीछे अनुशासन, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की अहम भूमिका है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 के बाद साइबर अपराध को तकनीकी प्राथमिकता देते हुए समर्पित साइबर क्राइम थाना, साइबर सेल और प्रत्येक थाने में साइबर हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। साइबर ठगी के मामलों में धन की त्वरित रोकथाम और आईटी एक्ट से जुड़ी विवेचनाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण पर भी उन्होंने जोर दिया।

महिला सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति केंद्रों और पिंक बूथों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का भी कार्य कर रहे हैं। भविष्य की पुलिसिंग को उन्होंने स्मार्ट, संवेदनशील और जन-विश्वास आधारित बताया।

समारोह में साइबर अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, कानून व्यवस्था और प्रशासनिक दायित्वों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 150 पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन परिसर में बड़े खाने का आयोजन भी हुआ। पुलिस आयुक्त ने बताया कि बीते छह वर्षों में अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के साथ लखनऊ पुलिस ने जनविश्वास को मजबूत किया है।

लखनऊ में होगी उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026, इंडिया एआई और यूपी सरकार करेंगे मेजबानी

लखनऊ। (जीएनएस)। इंडिया एआई, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से 12 और 13 जनवरी 2026 को लखनऊ में उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य शासन और सार्वजनिक सेवा वितरण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नवाचारी उपयोगों को सामने लाना और राज्य-स्तरीय पहलों को इंडिया एआई मिशन के लक्ष्यों से जोड़ना है। यह सम्मेलन 16 से 20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में होने वाले इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले आयोजित होने वाला पूर्ववर्ती कार्यक्रम है और देशभर में प्रस्तावित आठ क्षेत्रीय सम्मेलनों की श्रृंखला का हिस्सा है।

लखनऊ में होने वाला यह दो दिवसीय सम्मेलन वरिष्ठ नीति-निमार्ताओं, केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों, वैश्विक संस्थानों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, शोधकताओं और नवप्रवर्तकों को एक मंच पर लाएगा। सम्मेलन में जिम्मेदार, समावेशी और व्यापक स्तर पर लागू किए जा सकने वाले एआई समाधानों पर चर्चा होगी। खासतौर पर स्वास्थ्य सेवाओं, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण में एआई की भूमिका पर फोकस रहेगा।

सम्मेलन के दौरान वैश्विक एआई परिदृश्य, एआई आधारित स्वास्थ्य सेवा वितरण, राज्य स्तर की तैयारियों, क्षमता निर्माण, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई-सक्षम डायग्नॉस्टिक्स और कार्यबल सशक्तिकरण जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे। स्टार्टअप शोकेस, हैकाथॉन के परिणाम और उद्योग आधारित प्रस्तुतियां भी इसका हिस्सा होंगी।

सम्मेलन से पूर्व 12 जनवरी को ह्लआर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के लिए एआईह्व विषय पर इंडिया एआई वर्किंग ग्रुप की बैठक आयोजित की जाएगी। इस सम्मेलन से निकले निष्कर्षों के इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के राष्ट्रीय रोडमैप में शामिल होने की उम्मीद है।